

वर्ष-23 अंक- 43
पृष्ठ 8
गुरुवार
29 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध-

करवा चौथ पर हाथों पर...

विचार-

वैश्विक राजनीति में बड़े उलटफेर

खेल-

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी पर...

केंद्रीय कर्मियों को बड़ा तोहफा

महंगाई भत्ते में तीन फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर आई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महंगाई भत्ते (डीएम) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन फीसदी की बढ़ोतरी को औपचारिक मंजूरी दे दी है। बढ़ती महंगाई के बीच लिए गए इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस वित्तीय निर्णय को मंजूरी दी गई। केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते और राहत के मद में कुल 10,016 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। डीए और डीआर बढ़ने से 1.17 करोड़ से अधिक केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होगा। फंसले से 48.54 लाख कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे। यह



बढ़ोतरी 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। कैबिनेट की ओर से लिए गए फैसले के तहत महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जो कर्मचारियों की क्रय शक्ति को बनाए रखने में मदद करेगी। कर्मचारियों के जीवन यापन की बढ़ती लागत असर को संतुलित करने के मकसद से सरकार समय-समय पर इस

भत्ते में बदलाव करती है।

तीन फीसदी के इस नए इजाफे से

वेतन और पेंशन में वृद्धि: केंद्रीय सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों की मासिक सैलरी और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन में बढ़ोतरी दर्ज होगी।

आर्थिक संबल: महंगाई के दबाव के बीच यह बढ़ोतरी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों

के पारिवारिक बजट को मजबूती देगी

डीए में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर कितना वित्तीय बोझ आएगा?

बुधवार को सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में किए गए इस तीन प्रतिशत के इजाफे के लिए सरकार ने कुल 10,016 रुपये

करोड़ का बजट आवंटित किया है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस कैबिनेट बैठक में केवल महंगाई भत्ता ही नहीं, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, खेल और ग्रामीण विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को भी हरी झंडी दी गई है। मंत्रिमंडल ने कुल 29,267 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीन फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाने का यह फैसला लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक राहत देने वाला कदम है। 10,016 करोड़ के इस वित्तीय प्रावधान के साथ-साथ कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग और ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए मंजूर किया गया 29,267 करोड़ का कुल पैकेज से देश की आर्थिक प्राथमिकताओं के बारे में बताता है।

राज्यसभा उपचुनाव: मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी होंगे भाजपा उम्मीदवार

नयी दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नाम पर मुहर लगा दी है। पार्टी ने बुधवार को उनके नाम की आधिकारिक घोषणा की। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित कर दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यदि मतदान की आवश्यकता हुई तो 12 नवंबर 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके बाद मतगणना होगी। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 26 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 5 नवंबर निर्धारित की गई है। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश



विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेंगे। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र विधानसभा भवन, भोपाल स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। दरअसल, डॉ. एल. मुरुगन अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 14 अक्टूबर 2026 को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 3 अप्रैल 2030 तक था। उनके इस्तीफे के बाद रिक्त हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन

की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। निर्वाचन आयोग ने मध्य प्रदेश विधानसभा के अपर सचिव उमेश शर्मा को रिटर्निंग ऑफिसर और अपर सचिव मयंक वर्मा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष संख्या दो (एम-2) को निर्वाचन कार्यालय के लिए अधिकृत किया गया है। भाजपा ने भी इस उपचुनाव को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी थी। पार्टी की कौर कमेटी की बैठक में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई थी। अब केंद्रीय चुनाव समिति ने हरदीप सिंह पुरी के नाम को मंजूरी देकर उम्मीदवार के नाम पर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

निवेश और उद्योग का हब बन रहा उत्तर प्रदेश : योगी

● वैश्विक निवेशकों का बढ़ा भरोसा

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है और बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल से राज्य में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए पिछली सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने की न स्पष्ट दृष्टि थी, न कोई ठोस कार्ययोजना। किन्तु डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला। उन्होंने कहा



कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र के साथ निवेश तथा औद्योगिक विकास के लिए नई कार्यसंस्कृति विकसित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश अब निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा, इसी बढ़ते वैश्विक विश्वास को नई ऊंचाई देने के

लिए आज सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं, वर्तमान की परियोजनाओं को गति देने और निवेश को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू करने पर चर्चा होगी। आदित्यनाथ ने पोस्ट में आगे कहा कि हर निवेश से नया उद्योग, हर उद्योग से नया रोजगार और हर रोजगार से परिवारों में खुशहाली, इसी संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

चुनाव आयोग फॉर्म 6, 7 और 8 में बदलाव नहीं कर सकता दिल्ली एसआईआर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि चुनाव आयोग फॉर्म 6, 7 और 8 में बदलाव नहीं कर सकता। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जो लोग पहले से ही मतदाता सूची में शामिल हैं, उनसे अपना नाम फिर से दर्ज कराने के लिए फॉर्म 6 क्यों भरवाया जा रहा है? जबकि फॉर्म 6 नए मतदाताओं के लिए होता है। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। जजों ने यह भी सवाल किया कि जब निकट भविष्य में राजधानी में कोई चुनाव नहीं होने वाला है, तो चुनाव आयोग 30 अक्टूबर की समय-सीमा (डेडलाइन) तय करने पर क्यों जोर



दे रहा है? पीठ ने कहा, नामों को फिर से दर्ज कराने के लिए कोई अंतिम तारीख (कट-ऑफ डेट) तय न करें। जजों ने चुनाव आयोग से कहा है कि वह उन मतदाताओं के लिए कोई आसान समाधान निकाले, जो किन्हीं कारणों से अपना राजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा नहीं कर पाए थे। पीठ ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति, जिसका नाम पहले मतदाता सूची में था, अब उसमें नहीं है, तो उसे नए मतदाता मानने के बजाय उसकी स्थिति के हिसाब से कोई समाधान निकाला जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चुनाव आयोग को केवल इस बात का इंतजार नहीं करना चाहिए कि मतदाता खुद आवेदन जमा करें। इसके बजाय, उसे सीधे मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि आयोग फॉर्म-6 और फॉर्म-8 के जरिए आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया जारी रखे और सबसे आसान समाधान अपनाए। आयोग ने आवेदन जमा करने की समय-सीमा बढ़ाने के लिए अपनी सहमति जताई है।

PRESS

हमेशा आपके साथ



शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website

www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube

youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

झूंसी के अरविंद और जौनपुर के निगम के बीच कुश्ती मुकाबला बराबर

प्रयागराज। ब्लॉक के कसैयावर गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित पारंपरिक दंगल में दंगल में कई जनपदों के पहलवानों ने कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। वाराणसी के मोहित ने ग्वालियर के शिवम को, जौनपुर के निगम ने वाराणसी के विवेक को, झूंसी के आदित्य ने मिर्जापुर के मनोज को, भदोही के राणा सिंह ने मिर्जापुर के सुरेंद्र को और जौनपुर के सुजीत ने वाराणसी के आशीष को पटकनी दी। जौनपुर के सुनील ने वाराणसी के अश्वनी को, जौनपुर के इंद्रेश ने कौशाम्बी के आशीष को, झूंसी के निखिल ने फूलपुर के अपूर्व को, मिर्जापुर के अजय ने प्रतापगढ़ के दिलावर को चित किया। पूर्व

विधायक उदयभान करवरिया तथा पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने पहलवानों का हौसला अफजाई किया। आयोजक हंसराज सिंह व रोहित सिंह ने आभार जताया। इस मौके पर राधेश्याम त्रिपाठी, हरिभान सिंह, हनुमान सिंह, अनिल त्रिवेदी, अनुपम सिंह, रणजीत सिंह मौजूद रहे।

चंडीगढ़ के युवराज बने दंगल के चैंपियन पहलवान धनुपुर ब्लॉक के हरीपुर मिश्रपुर गांव के पारंपरिक दंगल में अयोध्या के बजरंगी दास को चित करके चंडीगढ़ के युवराज सर्वश्रेष्ठ पहलवान बन गए। चंदौली के राजेश ने मिर्जापुर के अजय को, वाराणसी के संदीप ने कानपुर के मोहित को, राणा सिंह भदोही ने वाराणसी के आशीष को, हनुमानगढी अयोध्या के टमाटर दास ने मिर्जापुर के कंजू को, झूंसी के लक्कड़ ने दिल्ली के गोपाल को प्रयागराज के अरविंद ने गोंडा के मनीष को वाराणसी के पिंकू ने अयोध्या के राजू को वाराणसी के राहुल ने दिल्ली के अंकुर को पटकनी दी। आयोजक मंडल से जुड़े छविनाथ तिवारी, चंद्रिकाप्रसाद तिवारी, दुर्गाप्रसाद तिवारी, रामसेवक, सौरभ तिवारी प्रधान, बालकृष्ण तिवारी, राजकुमार तिवारी, हरिमोहन, सूर्यमोहन, शिवकुमार तिवारी, रामेश्वर तिवारी मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका करुणाकर तिवारी व पवन तिवारी ने निभाई।

क्रिकेट, वॉलीबॉल व कबड्डी में बी फार्मा चतुर्थ वर्ष की टीम बनी विजेता

राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के दौरान श्री साई कॉलेज आफ फार्मेसी उत्तरदहां में खेलकूद, शैक्षणिक तथा रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। क्रिकेट, वॉलीबॉल तथा कबड्डी के बालक वर्ग में बी फार्मा चतुर्थ वर्ष की टीम अव्वल रही। कबड्डी के बालिका वर्ग में बी फार्मा द्वितीय वर्ष की टीम तथा रिक्ट प्रतियोगिता में बी फार्मा द्वितीय वर्ष की सत्यप्रभा ने बाजी मारी। वि्वज प्रतियोगिता में बी फार्मा प्रथम वर्ष की टीम तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन में बी फार्मा द्वितीय वर्ष की रुचि पांडेय व सत्यप्रभा ने पहला स्थान हासिल किया। प्राचार्य डॉ. सुनील सिंह ने पदक प्राप्त छात्रों को पुरस्कृत करके प्रोत्साहित किया। संस्था के संरक्षक डॉ. घनश्याम सिंह, चेयरमैन विनोदकुमार सिंह अशोक, सचिव विवेककुमार सिंह ने छात्रों को बधाई दी। मौके पर निवेदिता तिवारी, मानसिंह, विनीत कुमार, आस्था जायसवाल, सुचिता त्रिपाठी, मनीष तिवारी, विशाल कुमार आदि रहे।

कथा मंडप में लगी आग, सामान जला

प्रयागराज। उत्तरांव थाना के ठीक सामने मंगलवार को दोपहर के समय कथा मंडप में अचानक आग लग जाने से पुलिस सहित स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पूरा कथा मंडप जलकर नष्ट हो गया। पुलिस द्वारा दमकल विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। कथा मंडप में दमकल पहुंचने के पहले ही सब जलकर नष्ट हो चुका था। आग कैसे लगी इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी।

धनुष यज्ञ का मंचन देखर लोग भाव-विभोर

प्रयागराज। क्षेत्र के सेहुंडा में आयोजित धनुष यज्ञ की रामलीला सोमवार रात में भव्यता के साथ संपन्न हुई। जनक के अधीर होने पर प्रभु श्रीराम ने जैसे ही धनुष तोड़ा, पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। रामलीला में रावण–बाणासुर संवाद ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर महेश प्रसाद त्रिपाठी, बड़ेलाल केसरवानी, गिरजा शंकर, रामायण प्रसाद, केबी सिंह, लल्ला, मोहन लाल, रमाशंकर, मुन्ना आदि रहे।

अतनपुर में दशहरा मेला और नौटंकी आज बहरिया। आदर्श रामलीला कमेटी अतनपुर का दशहरा मेला २८ अक्तूबर बुधवार को आयोजित किया गया है। कमेटी ने मेले की तैयारी पूरी कर ली है। प्रबंधक डॉ. शिव कुमार पटेल ने बताया कि दिन में मेला और रात में सोहन लाल की नौटंकी का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

जमीन के विवाद से नाराज युवक

दूसरी बार टावर पर चढ़ा

प्रयागराज। आबादी की जमीन का विवाद न सुलझने पर एक युवक मंगलवार को दूसरी बार मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घटना फूलपुर के बगदाहा हवासाबाद गांव में हुई। हंडिया तहसील के घोड़दौली गांव निवासी राजकुमार गुप्ता का पड़ोसी पक्ष से जमीन विवाद चल रहा है।

राजकुमार का आरोप है कि उपजिलाधिकारी हंडिया के आदेश के बाद भी पैमाइश नहीं हुई। विपक्षी पक्ष विवादित जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। राजस्वकर्मियों की हिदायत के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा। इसी विवाद के चलते राजकुमार १६ अक्तूबर को भी टावर पर चढ़ा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित नीचे उतारा। राजकुमार ने राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को भेजकर जमीन का सीमांकन कराने की मांग की है।

दिलीप और बाबूलाल बने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य

प्रयागराज। भाजपा नेता दिलीप शुक्ला को प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांट खुशी जताई। मनूकापूरा के रहने वाले दिलीप शुक्ला ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका बखूबी निर्वहन करूंगा। इस दौरान सुशील मिश्रा, राजू शुक्ला आदि ने उन्हें बधाई दी है। वहीं, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री बाबूलाल भवरा को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाये जाने पर समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। बाबूलाल भवरा ने कहा, पार्टी ने जो विश्वास और जिम्मेदारी मुझे दी है, मैं उसके लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुधीर मौर्य, ऋषि प्रजापति, नन्है विश्वकर्मा, चंद्रसेन यादव, अश्वनी विश्वकर्मा, आशीष यादव, सुरेंद्र पासी, दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद की गुलमोहर ग्रीन्स के दो टावर गिरेंगे, चार की दो मंजिलें भी होंगी ध्वस्त, २५ लाख का दंड

प्रयागराज। गाजियाबाद की गुलमोहर ग्रीन्स आवासीय सोसाइटी में अवैध निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने दो टावरों को पूरी तरह ध्वस्त करने और चार अन्य टावरों की



नीवीं व दसवीं मंजिल गिराने का आदेश दिया है। बिल्डर पर २५ लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया है, जबकि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और लापरवाही बरतने वाले निरीक्षक के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद की गुलमोहर ग्रीन्स आवासीय सोसाइटी में अवैध निर्माण के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने बिल्डर को राहत देने वाले तीसरे शमन आदेश को निरस्त करते हुए टावर संख्या २७ और २८ को पूरी तरह ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही

प्रयागराज। जिस बेटी को मरा समझकर परिवार ने अंतिम संस्कार कर दिया था, उसके जिंदा होने की खबर ने घर में बेचौनी बढ़ा दी है। गुजरात के वडोदरा स्थित नारी संरक्षण केंद्र में रह रही प्रीती भी अब अपने घर लौटने को बेचैन है। मंगलवार को मां से वीडियो कॉल पर बात हुई तो दोनों की आंखें नम हो गईं। बेटी ने कहा कि उसे जल्दी घर ले जाया जाए। अब परिवार

को पुलिस की अनुमति और बेटी के लौटने का इंतजार है। बेटी को मृत मान लेने वाले परिवार को जब से मालूम चला कि वह जिंदा है, तब से उस घर में बेचौनी है। उधर वडोदरा के नारी संरक्षण केंद्र में बेटी मां कमला देवी ने बताया कि मंगलवार को अखबार में जिस बेटी को मरा समझ कर किया अंतिम संस्कार, वह गुजरात में जिंदा निकली, शीर्षक से प्रकाशित खबर की कटिंग वडोदरा स्थित नारी मां कमला देवी के मोबाइल पर वीडियो कॉल किया। करीब २५ मिनट की कॉल के दौरान मां कमला देवी और बेटी प्रीती की आंखें नम हो गईं। बातचीत के दौरान उसने

शिक्षा निदेशालय में हंगामा और तोड़फोड़ मामले में एफआईआर दर्ज, करीब २०० उपद्रवी नामजद

प्रयागराज। शिक्षा निदेशालय में तोड़फोड़ और कर्मचारियों से अभद्रता के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रदर्शन की आड़



में १५०–२०० लोगों पर उपद्रव का आरोप लगाया गया है। बैरिकेडिंग तोड़कर मुख्यालय में घुसने और फर्नीचर तोड़ने का भी आरोप है।

शिक्षा निदेशालय में तोड़फोड़ और कर्मचारियों से अभद्रता के मामले में प्राथमिकी

की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि बिल्डर की अनियमितताओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

एक महीने में जमा करना होगा २५ लाख रुपये

हाईकोर्ट ने बिल्डर पर २५

कोर्ट ने बिल्डर को साझा क्षेत्र के खरीदारों से ली गई रकम लौटाने का भी निर्देश दिया है। इसके साथ निर्माण लागत और १० प्रतिशत ब्याज का भुगतान करना होगा। पूरी प्रक्रिया छह महीने में पूरी करने को कहा गया है।

दो सप्ताह में एफआईआर दर्ज करने का आदेश

हाईकोर्ट ने साझा क्षेत्रों की बिक्री और धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर के खिलाफ दो सप्ताह के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस आयुक्त से नीचे के स्तर के अधिकारी को नहीं सौंपी जाएगी।

जीडीए उपाध्यक्ष और निरीक्षक पर भी कार्रवाई

अदालत ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के खिलाफ एक महीने के भीतर विभागीय जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। मामले में लापरवाही बरतने वाले निरीक्षक सुरेंद्र सिंह को निलंबित कर उनके खिलाफ भी विभागीय जांच कराने का आदेश दिया गया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टावरों के ध्वस्तीकरण पर होने

वाला खर्च बिल्डर से भू–राजस्व के बकाये की तरह वसूला जा सकता है। इस आदेश के जरिए

अदालत ने अवैध निर्माण, साझा क्षेत्रों की बिक्री और संबंधित अधिकारियों की कथित लापरवाही पर जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।



उठी। उसने अपनी चचेरी भाभी अनीता देवी के मोबाइल पर वीडियो कॉल किया। करीब २५ मिनट की कॉल के दौरान मां कमला देवी और बेटी प्रीती की आंखें नम हो गईं। बातचीत के दौरान उसने

युवती को वापस लाने के लिए

उच्च अधिकारियों से पत्राचार कर अनुमति मांगी गई है। आला अधिकारियों का आदेश मिलने पर पुलिस टीम परिजनों के साथ वडोदरा गुजरात के लिए भेजी जाएगी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टावरों के ध्वस्तीकरण पर होने

वाला खर्च बिल्डर से भू–राजस्व के बकाये की तरह वसूला जा सकता है। इस आदेश के जरिए अदालत ने अवैध निर्माण, साझा क्षेत्रों की बिक्री और संबंधित अधिकारियों की कथित लापरवाही पर जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टावरों के ध्वस्तीकरण पर होने वाला खर्च बिल्डर से भू–राजस्व के बकाये की तरह वसूला जा सकता है। इस आदेश के जरिए अदालत ने अवैध निर्माण, साझा क्षेत्रों की बिक्री और संबंधित अधिकारियों की कथित लापरवाही पर जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

पीड़िता की भरोसेमंद गवाही दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त, नाबालिग से दुष्कर्म में मिली सजा बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता की भरोसेमंद गवाही दोषसिद्ध के लिए पर्याप्त साक्ष्य है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकल पीठ ने नाबालिग संग दुष्कर्म के दोषी को मिली १० साल की सजा बरकरार रखी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता की भरोसेमंद गवाही दोषसिद्ध के लिए पर्याप्त साक्ष्य है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकल पीठ ने नाबालिग संग दुष्कर्म के दोषी को मिली १० साल की सजा बरकरार रखी। कोर्ट ने गाजियाबाद निवासी दोषी की सजा के खिलाफ दाखिल अपील खारिज कर दी। साथ ही स्पष्ट किया कि मेडिकल साक्ष्य में चोट नहीं मिलने और एफआईआर दर्ज कराने में देरी पीड़िता की गवाही की अहमियत कम नहीं कर सकती। अभियोजन के अनुसार पीठ पीड़िता का परिवार पड़ोस में जागरण देखने गया था। सुबह करीब चार बजे लौटने पर पीड़िता घर से गायब मिली। पूछताछ में पता चला कि पीड़िता का दूर का रिश्तेदार आरोपी उसे बहला–फुसलाकर ले गया है। वह शादीशुदा और तीन बच्चों का पिता भी है। कोर्ट ने पाया कि पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि आरोपी उसे पहले भी ले गया था। दूसरी बार शादी का झांसा देकर फरीदाबाद ले गया। वहां किराये के कमरे में पत्नी बताकर रखा। कोर्ट ने पीड़िता की उम्र के सवाल पर हाईस्कूल प्रमाणपत्र को महत्वपूर्ण माना, जिसके अनुसार घटना के समय उसकी उम्र १६ वर्ष थी। हालांकि, मुख्य चिकित्सा अधिकारी की जांच में उसकी उम्र १८ वर्ष बताई गई थी।

साक्ष्य मिले तो फैसले से जोड़ी जा सकती हैं नई धाराएं, हाईकोर्ट का अहम फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर फैसला सुनाए जाने से पहले कभी भी आरोप में नई धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। पहले इस संबंध में दिया गया आवेदन खारिज हो चुका हो, तब भी अदालत अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मुकदमे की सुनवाई



के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर फैसला सुनाए जाने से पहले कभी भी आरोप में नई धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। पहले इस संबंध में दिया गया आवेदन खारिज हो चुका हो, तब भी अदालत अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकती है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने इस टिप्पणी के साथ बरती के अपर सत्र न्यायाधीश के आदेश को सही ठहराते हुए आरोपी राघवेंद्र प्रताप सिंह की याचिका खारिज कर दी। मामला गौर थाने में १९ मई २०२१ को दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के अनुसार १६ मई २०२१ को राजनीतिक रंजिश में आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि राघवेंद्र प्रताप सिंह ने तमंचे से गोली चलाई। बचाव करने पहुंचे मनोज शर्मा को भी पीटा गया। पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया, लेकिन आरोपियों के खिलाफ मारपीट, धमकी व अपमानित करने के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। हत्या के प्रयास की धारा–३०७ इसमें शामिल नहीं थी। शिकायतकर्ता ने इसे जोड़ने के लिए आवेदन दिया, लेकिन आठ सितंबर २०२२ को अदालत ने उसे समय से पहले बताते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुनवाई के दौरान साक्ष्य दर्ज होने पर चार जून २०२६ को ट्रायल कोर्ट ने धारा–३०७ जोड़ने का आदेश दिया। इसे आरोपी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

सिर्फ नाम पर जमीन नहीं होने से परिवार के सदस्य को मुआवजे से वंचित नहीं कर सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के संबंध में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ केवल इसलिए नहीं रोका जा सकता कि मृतक के नाम पर कृषि भूमि दर्ज नहीं थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के संबंध में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ केवल इसलिए नहीं रोका जा सकता कि मृतक के नाम पर कृषि भूमि दर्ज नहीं थी। यदि परिवार की आजीविका का मुख्य स्रोत खेती है और मरने वाला कृषि कार्य में सहयोग करता था तो उसके आश्रितों को योजना के तहत लाभ देने के दावे पर विचार किया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद और न्यायमूर्ति प्रकाश पांडिया की खंडपीठ ने सुरेंद्र की याचिका पर दिया। कुशीनगर निवासी सुरेंद्र की पत्नी मीरा की २० अगस्त २०२० को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। सुरेंद्र ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया था। डीएम की ओर से दावे को खारिज कर दिया गया। कहा गया कि मीरा के नाम न कृषि भूमि दर्ज थी और न ही वह बटाईदार थीं। इस पर याच्री ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कहा, मीरा खेती के काम में सहयोग करती थीं और कृषि परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार थी। केवल उनके नाम जमीन दर्ज नहीं होने के कारण योजना का लाभ देने से इन्कार करना उचित नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि खातेदार या सहखातेदार के परिवार के ऐसे कमाऊ सदस्य को भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है, जिसकी आजीविका का मुख्य स्रोत परिवार के सदस्य के नाम दर्ज भूमि से होने वाली कृषि आय है। कोर्ट ने पाया कि मीरा खेती के काम में हाथ बंटाती थीं और कृषि परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार थी। इसलिए केवल उनके नाम जमीन दर्ज नहीं होने के आधार पर दावे को खारिज करना उचित नहीं। कोर्ट ने डीएम को आदेश दिया है कि फैसले की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने के चार सप्ताह के भीतर मामले में नया आदेश पारित करें।

दक्षिण कोरियाई नागरिक की हत्या में आरोपी युवती को मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई नागरिक डक ही–युन की चाकू लगने से मौत के मामले में आरोपी युवती लुम जियाना पामेई को सशर्त जमानत दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई नागरिक डक ही–युन की चाकू लगने से मौत के मामले में आरोपी युवती लुम जियाना पामेई को सशर्त जमानत दे दी है।

सम्पादकीय.....

पराली की तपिश

यह विडंबना ही है कि जब देश की राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता दिखायी देती है तो देश के नीति–नियंता पराली निस्तारण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें करने लगते हैं। अभी कोई अंतिम वैज्ञानिक अध्ययन भी सामने नहीं आया है कि पंजाब या अन्य राज्यों में पराली जलाने की प्रदूषण में कितनी फीसदी भूमिका है। लेकिन एक बात तो तय है कि पराली निस्तारण के जो भी विकल्प दिए जाते हैं, वे समय के अनुरूप किसान की सुविधा व आर्थिकी के अनुरूप नहीं हैं। यदि ये उपाय कारगर होते तो पराली प्रबं्धान पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपयों पर एक छोटी–सी माचिस भारी न पड़ती। किसान अपने खेतों में पराली को बार–बार यदि आग के हवाले करते हैं तो उसके पीछे का कड़वा सच यह भी है कि धान के अवशेषों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की तुलना में, पराली जला देना उसे सुविधाजनक, सस्ता तात्कालिक निस्तारण का विकल्प नजर आता है। निस्संदेह, जब तक आर्थिक रूप से लाभप्रद विकल्प किसान को नहीं दिया जाता, तब तक केवल सब्सिडी देने या दंडात्मक कार्रवाई करने के बहुत सीमित परिणाम ही सामने आएंगे। सूत्रों के अनुसार पंजाब में १५ सितंबर से २४ अक्तूबर के बीच खेतों में पराली जलाने की ५७४ घटनाएं दर्ज की गई हैं। यदि पिछले साल के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो इसी अवधि में ५६१ घटनाएं ही सामने आई थीं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल २७० घटनाएं अकेले तरनतारन में और १४४ घटनाएं अमृतसर के इलाके में सामने आई हैं। जो बताती हैं कि इन दोनों इलाकों में विशेष रूप से ध्यान देने और पराली जलाने से रोकने के लिये ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अभी भी धान की फसल काटने का मौसम चल रहा है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इस साल पराली प्रबंधन के लिये ५७६ करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके अलावा सब्सिडी वाली लगभग २१,१५५ मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं। दरअसल, सरकारी आर्थिक मदद के बावजूद किसानों को मशीनों को चलाने के खर्च, धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच बहुत कम समय समय मिलने और जरूरत के समय मशीनें न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक तरीके से पराली प्रबंधन करने में प्रति एकड़ दो हजार से लेकर ढाई हजार रुपये तक खर्च आ सकता है। तभी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को पराली जलाना सबसे आसान विकल्प लगता है। हालांकि, शासन व प्रशासन ने पराली जलाने से रोकने के लिये सख्ती बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार अब तक पराली जलाने के मामले में ११३ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा जमीन के रिकॉर्ड में २०५ रेड एंट्री की गई हैं। साथ ही ११.४ लाख रुपये का पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आर्थिक दंड लगाया गया है। निस्संदेह, देश में व्याप्त पर्यावरण संकट के मद्देनजर ऐसी कार्रवाई करना भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि खेतों में पराली जलाने से समाज को प्रदूषण के रूप में सेहत के लिये भारी कीमत चुकानी पड़ती है। हालांकि, केवल जुर्माना लगाने से व्यावहारिक विकल्पों की कमी पूरी नहीं हो सकती। साथ ही, साफ हवा बनाये रखने की पूरी कीमत अकेले किसानों को ही नहीं चुकानी चाहिए। दरअसल, प्राथमिकता यह रहे कि फसल अवशेषों का प्रबंधन सस्ता और सहज–सुलभ हो। इसके लिये पराली एकत्र करने और उसे ढोने के लिये जरूरी मशीनों यानी बेलर्स की कमी को भी दूर किया जाना चाहिए। किसानों को बायोमास पॉवर प्लांट, ईट–भट्टों और अन्य उद्योगों से जोड़ने वाले भरोसेमंद बाजार उपलब्ध कराकर, कृषि अवशेषों को एक आर्थिक संसाधन में बदला जा सकता है। इसके साथ ही बिना आग लगाए पराली प्रबंधान करने वाले किसानों को प्रोत्साहन देने पर भी विचार किया जाना चाहिए। सही मायने में सफलता को इस आध्ार पर मापा जाना चाहिए कि कितने खेतों को बिना जलाये साफ किया गया, न कि इस आधार पर कि कितना पैसा खर्च हुआ। या फिर कितनी मशीनें बांटी गई।

वैश्विक राजनीति में बड़े उलटफेर

डॉ. दीपक पाचपोर

<i>लूला को ५१.७६ प्रतिशत वोट मिले, जबकि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे प्लावियो बोल्सोनारो को ४८.२४ प्रतिशत वोट मिले।</i>

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

कि बहुत सी जगहों पर सार्वजनिक परिवहन में व्यवधान आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस शिकायत का संज्ञान लिया और ऐसा फैसला दिया, जिससे जनता की जीत हुई। हालांकि हार के बाद प्लावियो बोल्सोनारो ने नतीजों को मानने से मना कर दिया है, ठीक ऐसे ही २०२२ में जाएर बोल्सोनारो ने भी चुनाव में अपनी हार स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। और यही काम ट्रंप ने जो बाइडेन की जीत के बाद किया था। हालांकि एक ही पैतरा बार–बार काम नहीं करता। लिहाजा तय है कि अब ब्राजील में वामपंथी नेता का शासन रहेगा। लूला इससे पहले २००३ से २०१० तक राष्ट्रपति रह चुके हैं, फिर चार साल पहले उन्होंने तीसरी बार राष्ट्रपति पद हासिल किया था और अब चौथे कार्यकाल के लिए जनादेश उन्होंने हासिल कर लिया है। हालांकि इस बार का कार्यकाल पहले के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहेगा, क्योंकि दक्षिण अमेरिकी देशों में ट्रंप अपनी पिछू सरकारें बनवाना चाहते हैं। वेनेजुएला में जिस तरह निकोलस माद्रुरो को अगवा कर ट्रंप ने अपनी मर्जी की सरकार बनाई है, यह दुनिया देख रही है। ट्रंप

ने प्लावियो बोल्सोनारो का सीधे तौर पर समर्थन नहीं किया था, लेकिन कोलंबिया और होंडुरास में राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले दक्षिणपंथी उम्मीदवारों का समर्थन किया था। इधर प्लावियो बोल्सोनारो ने तो पहले ही ब्राजील को अमेरिका के और कच्छीब लाने का वादा किया था। जबकि लूला ने अमेरिका को चुनाव में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने जोर देकर कहा था कि ब्राजील श्कभी भी किसी का पिछलग्गू नहीं बनेगाब। लूला के ऐसे ही तेवर ट्रंप को चुभते हैं। पिछले साल से अमेरिका ने ब्राजील पर व्यापार शुल्क और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं ताकि लूला डि सिल्वा को सरकार चलाने में दिक्कत आए। लेकिन लूला अमेरिका के आगे नहीं झुके। ब्राजील तेल के समृद्ध भंडार वाला देश है और यहां रेयर अर्थ मिनरल्स का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा भंडार मौजूद है। इसलिए जाहिर तौर पर ट्रंप की दिलचस्पी इसी में थी कि ब्राजील में भी अमेरिका की जी हुजुरी करने वाली सरकार बने। इधर सर्बिया में भी जनता की ताकत देखने मिली। करीब दो साल से भ्रष्टाचार और सरकार की जवाबदेही को खिलाफ आंदोलन

कर रहे छात्रों के समर्थन वाली इस्टूडेंट लिस्ट्व ने संसदीय चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। देश के लंबे समय से प्रभावशाली नेता अलेक्जेंडर वुसिक ने चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। गौरतलब है कि सर्बिया में नवंबर २०२४ में छात्र आंदोलन की शुरुआत हुई थी। तब उत्तरी शहर नोवी साद के रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर बना क्रांकीट का छज्जा ढह गया था, जिसमें १६ लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे ने सरकार की सर्बिया में नवंबर २०२४ में छात्र आंदोलन की जिम्मेदारी तय करने, भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने और राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव की मांग की थी और फिर विश्वविद्यालयों से शुरु हुआ आंदोलन देशव्यापी विशेष प्रदर्शन में बदल गया। छात्रों के अलावा आम नागरिकों और सरकार के आलोचकों ने भी आंदोलनों में हिस्सा लिया। वुसिक सरकार पर जवाबदेही से बचने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगते रहे, जिसे वुसिक और उनकी पार्टी ने खारिज किया।

करवाचौथ–प्रेम, परंपरा और बदलती मानसिकता

करवाचौथ सुहागिनों का त्योहार है, पति–पत्नी के अटूट प्रेम का त्योहार है। यह एक ऐसा त्योहार है, जो हमारे देश की भारतीय संस्कृति की विशेषता को दर्शाता है। जब हम इतिहास में सम्यता और संस्कृति की बात करते हैं, तो हम देखते हैं कि विश्व में यदि कोई संस्कृति या सम्यता ऐसी है, जो अपने उत्थान के बाद अनेकों विपदाओं को झेलने के बावजूद आज भी जीवित है, तो वह केवल एकमात्र हमारे भारतवर्ष की सम्यता और संस्कृति है, जो कई बार पतन की कगार पर पहुँचकर भी मिट नहीं सकी और युगों–युगों से अनेक बार मिट्टी में दफन हुई, किंतु फिर भी अपने आपको जीवित रखने में सफल रही। इसका मुख्य कारण यह है कि हमारी संस्कृति में रिश्तों की मर्यादा को कायम रखने वाले व्रत और त्योहारों को विशेष महत्त्व दिया गया है। एक ओर यदि स्त्री–पुरुष को भाई–बहन के रूप में रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार में बाँधा गया है, तो दूसरी ओर परिणय सूत्र के बंधन में बँधने वाले युगल को करवाचौथ जैसे पावन व्रत द्वारा शारीरिक और मानसिक, दोनों ही रूपों से पवित्र रिश्ते में बाँधने का प्रयास किया गया है।

करवाचौथ एक ऐसा पावन पर्व है, जो स्त्री–पुरुष के पावन प्रेम को एक पवित्र रिश्ते के रूप में व्याख्यायित करता है। यह उस रिश्ते की जड़ों को

पति के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करती है।

करवाचौथ का व्रत पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है, जिसमें एक सुहागिन सोलह शृंगार करके शिव–पार्वती की पूजा द्वारा अखंड सोभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती



है। वामन पुराण में करवाचौथ का ‘करक चतुर्थी’ नाम से उल्लेख मिलता है, जिसमें विवाहित स्त्रियाँ इस दिन निर्जला व्रत रखकर शिव–पार्वती के पूजन द्वारा अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं और चाँद निकलने पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपना व्रत तोड़ती हैं। व्रत की शुरुआत सुबह चार बजे से पहले सरगी खाकर होती है। विवाहित स्त्रियाँ इस पूजन हेतु एक दिन पहले से ही अपने सुहाग के लिए शृंगार की तैयारियों में जुट जाती

हैं। इसके लिए वे अपने हाथों पर अपने पति के नाम की मेहँदी रचाती हैं, चूड़ियाँ पहनती हैं और सोलह शृंगार द्वारा सज–धजकर भगवान शिव और पार्वती से अखंड सोभाग्य का वरदान माँगती हैं।

किंतु जब हम आज के युग

मूल भाव व्याप्त है, तो परिणय सूत्र में बँधे युगल आसानी से जीवनसाथी बन जाते हैं, अन्यथा विवाह–विच्छेद जैसे कानून को अपनाकर जीवनसाथी बनकर इस बोज़ को नहीं ढोते। इसी कारण प्रेम की पवित्रता के प्रतीक को चरितार्थ करने वाला करवाचौथ आज के आधुनिक युग में काफ़ी प्रभावित हुआ है। आज यह प्रेम का नहीं, बल्कि परिवार में कलह का कारण बनता हुआ दिखाई पड़ रहा है। करवाचौथ जैसा पावन व्रत आज स्त्रियों के बीच सिर्फ एक फैशन बन चुका है, जिसके कारण

आज अधिकतर परिवारों में दिन–प्रतिदिन झगड़े बढ़ते दिखाई दे रहे हैं और परिवार जुड़ने के बजाय टूट रहे हैं। मुख्य कारण यह है कि विवाहित स्त्रियाँ साल भर पहले से ही इस त्योहार का इंतज़ार इसलिए नहीं करतीं कि यह पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाने वाला व्रत है, बल्कि इस व्रत के पीछे उनकी मानसिकता बदल चुकी है। वे इसका इंतज़ार इसलिए करती हैं कि इस पर्व के बहाने वे नई महँगी साड़ियों और जेवरों की माँग अपने पति

भागवत का ज्ञानेश पुराण!

तक के असंख्य रहस्योद्घाटनों की ओर एक नजर तक डालना गवारा नहीं किया, जो गोदी मीडिया के जरिए मुख्यधारा के लगभग समूचे मीडिया की लंबी चुप्पी के बावजूद, देश में ही नहीं विदेश तक, भारतीय जनतंत्र पर वास्तविक चिंताएं पैदा कर रहे हैं। संघ प्रमुख ने यह सुनने के बजाय अपने काम बंद ही कर लिए कि सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारी, श्वोट के अधिकार को बचाने की मांग कर रहे थे, जोकि जनतंत्र की बुनियादी इकाई है, वह ईंट है जिससे जनतंत्र की इमारत खड़ी होती है और संघ प्रमुख की जुबान से इसकी सराहना का एक शब्द तक नहीं निकला कि तिरंगा ओढ़ कर सबसे बढ़कर युवा पीढ़ी ही आज जनतंत्र को बचाने की चिंता से संचालित होकर, सड़कों पर उतर रही है। जंतर मंतर–१ के फौरन बाद, भागवत ने संघ–भाजपा के राजनीतिक नुकसान को कम करने की सचेत कोशिश में, जेन जी को पटाने के लिए जो कुछ अच्छी–अच्छी बातें कही थीं, उनसे भ्रमित हुए सहज–विश्वासी लोगों को जरूर, जंतर मंतर–१ और जंतर मंतर–२ के बीच, छः महीने से भी कम में भागवत की इस पल्टी पर हैरानी होगी। लेकिन, वास्तव में इसमें हासनी की कोई बात है नहीं। छरू महीने पहले का भागवत का रज्जेन जी प्रेम्य भी, देश की सत्ता पर संघ–भाजपा की पकड़ को मजबूती देने के लिए था और अब उसी सत्ता के दमनचक्र के लिए तर्क जुटाने के लिए भागवत जेन जी के हरकत में आने को श्भारतविरोधी ताकतों के षड्यंत्रश का हिस्सा बताने से नहीं हिचकते हैं। बिना नाम लिए किंतु स्पष्टतः चुनाव की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए जारी वर्तमान आंदोलन को देश के लिए ही खतरा बताते हुए संघ प्रमुख कहते हैं, परंतु जब...आंदोलन राजनीति का साध

ान बन जाता है, किसी व्यक्ति, समूह या विचार के प्रति विरोधी शत्रुभाव लेकर चलता है, तब इसका लाभ भारत को दबाना चाहने वाली शक्तियां लेती हैं। इससे पहले, संघ प्रमुख आंदोलनों के लिए इसका उपदेश तो करते ही हैं कि, परंतु आंदोलन समाधान देने के लिए होने चाहिएए और यह भी कि भावनाएं तीव्र होने पर भी हमारे संविधान कानून की मर्यादा में, बोलचाल चलन के भद्र व्यवहार के संकेतों की मर्यादा में हमारी कृतियां हों, यह ध्यान रखना चाहिए। वोट, सरस्ती लोकप्रियता अथवा राजनीतिक लाभ का लोभ, हमारे विवेक और सदभावना पर हावी न हो, यह चिंता करनी ही पड़ेगी। इससे आगे जाकर वह एक ओर तो वर्तमान संघ–भाजपा शासन को देश के सामने मौजूद समस्याओं के लिए जवाबदेही से बरी करते हुए कहते हैं कि, समाज की सब समस्याएं शासन ही सुलझा सकता है...ऐसा भी अनुभव नहीं है। दूसरी ओर, आंदोलन मात्र की सार्थकता को ही नकारते हुए वह दावा करते हैं, आंदोलनों से ही समस्याएं सुलझती हैं, ऐसा भी अनुभव नहीं है। भागवत क्या कहना चाहते हैंकृशासन समस्याएं सुलझाएगा नहीं, आंदोलन से समस्याएं सुलझेगी नहींय लोगों को जो है उसे नियति मानकर हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहना चाहिए। बेशक, संघ–भाजपा की सत्ता को बचाने के लिए जनता के लिए भागवत की यही सलाह है। लेकिन, भागवत संघ–भाजपा के राज के संदर्भ में देशवासियों को निष्क्रियता का संदेश देने तक ही नहीं रहते हैं। इससे आगे बढ़कर वह मौजूदा शासन के पक्ष में युद्ध का आह्वान भी करते हैं। और ऐसा करते हैं, मौजूदा निजाम के तमाम विरोध को एक कल्पित श्भारत–विरोधी षड्यंत्र का हिस्सा बताने के जरिए। पिछले दशकों में भारत ने स्वयं की शक्ति तथा सुनीति

के कारण विश्व में धीरे–धीरे अपना स्थान बनाया है। भारत के समाज का पुरुषार्थ, सुदृढ़ नीतियां, नेतृत्व, देशाभिमान तथा विश्व के प्रति अपने दायित्व के बोध की जागृति के कारण सभी क्षेत्रों में यशस्वी हो रहा है। भारत की इस प्रकार की प्रगति के कारण विश्व के राष्ट्रों में अराजकता खड़ी कर अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए सहायक हो सकने वाले अपने पिढूओं को वहां स्थापित करने का षड्यंत्र करने वाली ताकतों के खेल बंद होंगे। इस वस्तुस्थिति को ये आसुरी ताकतें जानती हैं। इसलिए, भारत ही उनका निर्णायक व सबसे बलवान प्रतिस्पर्धी और अंतिम एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत, हिंदू व संघ को



अभिनेताओं के हिंदी बोलने के तरीके को लेकर हो रही ट्रोलिंग के बीच, अभिनेत्री ईशा देओल साउथ इंडियन लहजे के समर्थन में सामने आई हैं। धूम गर्ल ने कहा कि बोलने के ऐसे अलग अंदाज किसी कलाकार के अभिनय को कम नहीं करते, बल्कि उनकी शख्सियत को और निखारते हैं। दिग्गज कलाकार हेमा मालिनी और धर्मेन्द्र की बेटी ईशा ने बताया कि जब वह डायलॉग बोलती हैं—खासकर हिंदी में तो उनकी आवाज काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती है। उनका मानना है कि किसी अभिनेता के बोलने का खास अंदाज उनकी पहचान का ही एक हिस्सा होता है। ईशा ने कहा, जब मैं डायलॉग बोलती हूं, खासकर हिंदी में, तो मेरी आवाज काफी हद तक मेरी मां जैसी लगती है। लेकिन यही तो मैं हूं और जो निर्देशक मुझे किसी किरदार के लिए चुनते हैं, वे यह बात जानते हैं। मुझे तो यह बहुत प्यारा और अच्छा लगता है। मुझे उन लोगों को सुनना अच्छा लगता है जिनकी बोली में थोड़ा अलग लहजा होता है उन्होंने दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी, अपनी मां हेमा मालिनी और अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर का उदाहरण देते हुए कहा कि इन कलाकारों का लहजा ही उनकी एक अलग स्क्रीन पहचान बन गया था। श्रीदेवी जिन्हें वह प्यार से श्री आंटी कहती थीं—के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें

ऋतिक रोशन की तारीफ सुन भावुक हुए आनंद कुमार, ‘सुपर 30’ से जुड़ा खास किस्सा किया साझा

मैथमेटिशियन और सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ फिल्म ‘सुपर 30’ के दौरान बिताए पलों को याद किया है। यह प्रतिक्रिया ऋतिक की ओर से उनके नए शैक्षणिक अभियान ‘सुपर इन्फिनिटी’ की तारीफ किए जाने के बाद सामने आई। हाल ही में ऋतिक ने सोशल मीडिया पर इस पहल की सराहना करते हुए लिखा था, “सिर्फ आप ही पढ़ाई को इतना मजेदार बना सकते हैं।” उन्होंने आनंद कुमार को इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सुपर 30 के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले आनंद कुमार अब ‘सुपर इन्फिनिटी’ के माध्यम से दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को आसान और दिलचस्प बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म ‘सुपर 30’ की मेकिंग के दिनों को याद करते हुए आनंद कुमार ने बताया कि अपनी मुलाकात बॉलीवुड के कई बड़े सितारों से हुई थी, लेकिन ऋतिक रोशन की काम के प्रति लगन ने उन्हें खास तौर पर प्रभावित किया। आनंद के मुताबिक, जब भी दोनों फिल्म की कहानी पर चर्चा करते थे, ऋतिक उसमें पूरी तरह खो जाते थे। कई बार बातचीत के बाद वह आनंद को छोड़ने के लिए

परिणीति चोपड़ा ने जेनिफर विंगेट को साइडलाइन, सोशल मीडिया पर हुई ट्रोल, अब दी सफाई– बेवजह नफरत फैलाओ, मूर्ख लग रहे हो

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, जेनिफर विंगेट के समर्थन में सामने आई हैं। उन्होंने जेनिफर को अपनी पसंदीदा बताया और कुछ मिनट की शोहरत पाने के लिए विवाद पैदा करने वाले तथाकथित पत्रकारों की आलोचना की। यह पोस्ट शक ट्रस्ट नो की सक्सेस पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आया है। वीडियो में केक काटते समय जेनिफर, परिणीति के पीछे खड़ी थीं, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने परिणीति को यह कहते हुए ट्रोल किया कि उन्होंने अपनी को—स्टार के लिए पर्याप्त जगह नहीं छोड़ी।

परिणीति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि वह और जेनिफर पिछले दो दिनों से इन तथाकथित पत्रकारों के वीडियो देख रहे हैं और उनके अजीबोगरीब अर्थ निकालने पर खूब हंस रहे हैं। उन्होंने लिखा—जेनी और मैंने पिछले दो दिन इन तथाकथित पत्रकारों के कुछ बहुत ही रचनात्मकश्वीडियो देखने में बिताए हैं। और पता है क्या ? आप ही का मजाक बन रहा है, क्योंकि हम तो बस हंस रहे हैं बहुत जोर—जोर से हंस रहे हैं ! आपके ऐसे बेतुके अंदाजे आपको ही मूर्ख साबित करते हैं।



अपने अपार्टमेंट की बिल्डिंग के गेट तक आ जाते थे और उन्हें इस बात का एहसास तक नहीं होता था कि उन्होंने चप्पल नहीं पहनी है। आनंद ने कहा कि इन पलों ने उन्हें एहसास कराया कि एक कलाकार अपने काम को लेकर कितना समर्पित हो सकता है। आनंद कुमार ने पटना में गुरु पूर्णिमा के दौरान हुई एक मुलाकात का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस मौके पर ऋतिक रोशन उनसे मिलने पहुंचे थे और कहा था, ‘सर, मैं आपको अपना गुरु मानता हूं। मैंने आपसे बहुत कुछ सीखा है।’ इतना कहने के बाद अभिनेता ने उनके पैर छुए। आनंद के लिए यह पल बेहद खास था और वह आज भी इसे याद करते हैं। उन्होंने ऋतिक की तारीफ करते हुए कहा कि वह शानदार अभिनेता होने के साथ—साथ बेहद विनम्र और जमीन से जुड़े इंसान भी हैं। उनके व्यवहार और काम के प्रति समर्पण ने आनंद के मन में उनके लिए

लहजा ही उनकी पहचान बना... ईशा देओल ने किया साउथ इंडियन एक्सेंट का समर्थन, हेमा मालिनी-श्रीदेवी का किया जिक्र

धूम गर्ल ने कहा कि बोलने के ऐसे अलग अंदाज किसी कलाकार के अभिनय को कम नहीं करते, बल्कि उनकी शख्सियत को और निखारते हैं। दिग्गज कलाकार हेमा मालिनी और धर्मेन्द्र की बेटी ईशा ने बताया कि जब वह डायलॉग बोलती हैं—खासकर हिंदी में तो उनकी आवाज काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती है।

भाषाई विभिन्नता एक स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए, यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि हर कलाकार एक जैसा ही बोलेगा। ईशा देओल की बात करें तो, वह एक्शन—क्राइम ड्रामा प्रताप के जरिए पर्दे पर वापसी कर रही हैं। एक लंबे अंतराल के बाद हिंदी फिल्मों में उनकी यह वापसी है। हाल ही में हिंदी सिनेमा में दक्षिण भारतीय लहजे को लेकर बहस फिर से छिड़ गई है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया है कि उन्हें अपनी हिंदी बोलने के तरीके और लहजे को लेकर ऑनलाइन ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना पड़ा है। बॉलीवुड में लोकप्रिय होने से पहले कन्नड़ और तेलुगु सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली इस अभिनेत्री ने कहा है कि वह अपनी दक्षिण भारतीय पहचान को अपनाती हैं और उन्हें अपने बोलने के तरीके के लिए शर्मिंदा होने की कोई जरूरत नहीं लगती। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर तथा अभिनेत्री मधु ने इस अभिनेत्री के समर्थन में अपनी बात रखी है।



सम्मान और बढ़ा दिया। फिल्म ‘सुपर 30’ के जरिए ऋतिक रोशन ने आनंद कुमार के संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को बड़े पर्दे पर पेश किया था। अब ‘सुपर इन्फिनिटी’ की तारीफ करके अभिनेता ने उनके नए शैक्षणिक प्रयास को भी समर्थन दिया है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक कक्षा से आगे बढ़कर गणित को बच्चों के लिए रोचक और सरल बनाना है, ताकि दुनिया के अलग—अलग हिस्सों में रहने वाले छात्र भी इससे जुड़ सकें। आनंद कुमार का मानना है कि पढ़ाई को दिलचस्प तरीके से प्रस्तुत करने से बच्चों के लिए गणित को समझना आसान हो सकता है।



जब से राहा पैदा हुई है, हर रोज हनुमान चालीसा सुनते हैं... आलिया भट्ट संग शादी पर रणबीर कपूर ने कही दिल छू लेने वाली बात

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर ने लोकप्रिय किंवदंती शो कौन बनेगा करोड़पति के दिवाली स्पेशल एपिसोड में एक मजबूत रिश्ते की नींव के बारे में बात की, खासकर आलिया भट्ट के साथ अपनी शादी के संदर्भ में। अभिनेता ने सार्थक रिश्तों को बनाए रखने में प्यार, विश्वास और सम्मान के महत्व पर जोर दिया। रिश्तों को मजबूत बनाए रखने वाले मूल्यों के बारे में बात करते हुए, रणबीर ने कहा, हमारे रिश्ते की जो नींव है, जो जड़ है, वह दोस्ती है। मैं हमेशा से मानता हूं कि प्यार एक रिश्ते को जोड़ता है, विश्वास एक रिश्ते को मजबूत बनाता है और सम्मान एक रिश्ते को कायम रखता है। मुझे लगता है कि किसी भी रिश्ते में ये चीजें बहुत महत्वपूर्ण आधार होती हैं। किंवज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति में शामिल हुए रणबीर कपूर ने यह भी बताया कि कैसे उनकी बेटी राहा के जन्म के बाद उनके जीवन में आस्था से जुड़ा एक रोज का नियम शामिल हो गया है। इस मेगास्टार के साथ बातचीत के दौरान, रणबीर ने बताया कि वे अपनी सुबह की शुरुआत इस दिग्गज अभिनेता द्वारा गाई गई हनुमान चालीसा से करते हैं। उन्होंने कहा, जब से मेरी बेटी राहा पैदा हुई है, तब से ऐसा कोई दिन नहीं बीता जब हमने अपनी सुबह आपके गाए हुए हनुमान चालीसा से न शुरू की हो। इस बात पर अमिताभ बच्चन ने बड़े प्यार से जवाब दिया, वाह, क्या बात है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बात करें तो, कुछ सालों तक एक—दूसरे को डेट करने के बाद, इस जोड़े ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई स्थित अपने घर पर एक निजी समारोह में शादी कर ली। उनकी प्रेम कहानी अयान मुखर्जी की फैंटेसी एडवेंचर फिल्म ब्रह्मास्त्र—पार्ट वन — शिवा की शूटिंग के दौरान शुरू हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने भी एक अहम भूमिका निभाई थी। इस जोड़े के घर 6 नवंबर 2022 को बेटी राहा कपूर का जन्म हुआ। रणबीर अब नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म श्रामायणश् में भगवान राम का किरदार निभाने की तैयारी कर रहे हैं। यह फिल्म दो भागों में होगी, जिसमें साई पल्लवी सीता के रूप में, यश रावण के रूप में और रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में नजर आएंगे।





करवा चौथ पर हाथों पर कौन-सा डिजाइन जचेगा? एआई को दें ये आसान प्रॉम्प्ट और देखें कमाल

करवाचौथ पर महिलाएं अब एआई टूल्स की मदद से मेहंदी लगाने से पहले ही हाथों पर विभिन्न डिजाइन देख सकती हैं। इसके लिए चोटजीपीटी या जेमिनी जैसे टूल्स पर हाथ की साफ फोटो अपलोड कर सही प्रॉम्प्ट देना होता है। इसके बाद एआई हाथ के आकार और रंग के अनुसार मनपसंद पारंपरिक या मॉडर्न डिजाइन तैयार कर देता है।

करवाचौथ के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं और अपने हाथों पर पति के नाम की मेहंदी लगाती हैं। ऐसे में अक्सर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि हाथों पर कौन-सा मेहंदी डिजाइन सबसे अच्छा लगेगा। लेकिन डिजिटल दौर में यह काम काफी आसान हो गया है। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से आप मेहंदी लगाने से पहले ही अपने हाथों पर अलग-अलग डिजाइन ट्राई करके देख सकती हैं। इसके लिए आपको बस अपने हाथ की एक साफ फोटो एआई टूल जैसे चोटजीपीटी या जेमिनी पर अपलोड करनी होगी और उसके साथ सही निर्देश यानी प्रॉम्प्ट देना होगा। इसके बाद एआई आपके हाथ के हिसाब से मेहंदी का डिजाइन तैयार कर देगा।

हाथ की फोटो के आधार पर तैयार होगा मेहंदी डिजाइन एआई टूल आपके हाथ के आकार, हथेली और त्वचा के रंग को ध्यान में रखते हुए मेहंदी का पैटर्न तैयार कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले प्लेन बैकग्राउंड में अपने हाथ की एक साफ और अच्छी रोशनी वाली फोटो लें। इसके बाद फोटो को इमेज बनाने वाले एआई टूल में अपलोड करें और अपनी पसंद के अनुसार प्रॉम्प्ट दें। ध्यान रखें कि प्रॉम्प्ट जितना साफ और सटीक होगा, एआई आपके पसंद के मुताबिक उतना ही बेहतर डिजाइन तैयार कर पाएगा।

ट्रेडिशनल हैवी मेहंदी के लिए प्रॉम्प्ट
अगर आप करवाचौथ पर पारंपरिक और भरी-भरी मेहंदी लगाना चाहती हैं, तो एआई को ऐसा प्रॉम्प्ट दे सकती हैं: "Apply an intricate] traditional Indian bridal henna (mehndi) design across the palm and arm- Incorporate a central mandala] peacock motifs, lattice patterns, and delicate shading- Ensure the appearance of the hand and the skin tone remain completely natural."

मॉडर्न और एलिंगेंट अरबी डिजाइन के लिए प्रॉम्प्ट
अगर आपको ज्यादा भरी हुई मेहंदी के बजाय मॉडर्न और खूबसूरत अरबी डिजाइन पसंद है, तो यह प्रॉम्प्ट इस्तेमाल कर सकती हैं: "Apply a stylish Arabic mehndi design to the hand- The design should feature floral vines, chains of leaves and beautifully shaded patterns, extending from the index finger down to the wrist- Leave some open space on the palm so that the design appears light and elegant."

कमल और जाली वर्क वाली हैवी मेहंदी के लिए प्रॉम्प्ट
अगर आपको कमल और जाली वर्क वाला डिजाइन पसंद है, तो एआई को यह प्रॉम्प्ट दे सकती हैं: "Apply an elaborate, full-length henna (mehndi) design on the hand- The design should eÜtend from the wrist up the arm, incorporating intricate lattice work] lotus motifs, leaves and traditional patterns- The overall look should be traditional and finely detailed."

मॉडर्न और कम मेहंदी के लिए प्रॉम्प्ट
अगर आपको हल्की और मॉडर्न मेहंदी पसंद है, तो यह प्रॉम्प्ट काम आ सकता है: "Create a minimalist and modern Mehndi design on the hand- Incorporate delicate, ring-like patterns on the fingers, slender floral lines] and a subtle geometric design in the center- Ensure there is ample negative space, giving the overall look a clean, beautiful and modern appearance."

एआई से मेहंदी डिजाइन बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप चाहती हैं कि एआई आपके हाथ पर डिजाइन का बेहतर और साफ परिणाम दे, तो फोटो अच्छी रोशनी में लें। हथेली की रेखाएं और पूरा हाथ साफ दिखाई देना चाहिए और बैकग्राउंड भी सादा रखें। इसके अलावा, आप अपनी पसंद के डिजाइन या पैटर्न का नाम भी प्रॉम्प्ट में जोड़ सकती हैं। जैसे आपको कमल, करवाचौथ का कलश, मोर या कोई खास पारंपरिक पैटर्न पसंद है, तो उसका नाम प्रॉम्प्ट में लिख सकती हैं। इससे एआई आपके पसंद के अनुसार डिजाइन तैयार करने की कोशिश करेगा।



प्रेम, विश्वास और अखंड सौभाग्य का पर्व है करवा चौथ

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में करवाचौथ का विशेष स्थान है। यह केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, समर्पण, विश्वास और दांपत्य जीवन की मंगलकामना का प्रतीक है। उत्तर भारत में विशेष रूप से लोकप्रिय यह पर्व पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की खुशहाली की कामना के साथ मनाया जाता है। बदलते समय में करवाचौथ का स्वरूप भी व्यापक हुआ है और अब अनेक पति भी अपनी पत्नी के साथ व्रत रखकर परस्पर प्रेम और समान भागीदारी का संदेश देते हैं।

कब मनाया जाता है करवाचौथ?
करवाचौथ का व्रत हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। यह पर्व सामान्यतः अक्टूबर या नवंबर में पड़ता है। हालांकि, कुछ पंचांगों में मास-गणना की परंपरा के कारण इसे आश्विन कृष्ण चतुर्थी से भी जोड़ा जाता है। इस वर्ष यह पर्व 29 अक्टूबर को पड़ रहा है।

इस दिन विवाहित महिलाएं प्रातः सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करती हैं और उसके बाद चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखने की परंपरा निभाती हैं। शाम को भगवान गणेश, माता पार्वती, भगवान शिव और कार्तिकेय की पूजा की जाती है। रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति के दर्शन के बाद व्रत खोला जाता है।

व्रत के नियम और पूजन विधि
करवाचौथ के दिन प्रातःकाल स्नान के बाद व्रत का

संकल्प लिया जाता है। सूर्योदय से पहले सास अपनी बहू को सरगी देती हैं, जिसमें फल, मिठाइयां, मेवे और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। इसके बाद व्रती महिलाएं दिनभर भोजन और जल का त्याग करती हैं। हालांकि, निर्जला व्रत धार्मिक परंपरा है, अनिवार्यता नहीं; स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर चिकित्सकीय सलाह को प्राथमिकता देनी चाहिए।

शाम को महिलाएं लाल, गुलाबी या अन्य शुभ रंगों के वस्त्र पहनकर सोलह शृंगार करती हैं। पूजा के लिए करवा यानी मिट्टी या धातु के पात्र में जल भरकर रखा जाता है। भगवान गणेश, माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। रोली, अक्षत, दीपक, पुष्प, मिठाई और सुहाग सामग्री अर्पित करने के बाद करवाचौथ की कथा सुनी जाती है। रात में चंद्रमा निकलने पर अर्घ्य दिया जाता है और छलनी से चंद्र दर्शन करने के बाद पति का चेहरा देखा जाता है। इसके पश्चात पति के हाथों से जल ग्रहण करके व्रत खोला जाता है।

करवाचौथ की पौराणिक कथा
करवाचौथ की सबसे प्रचलित कथा वीरवती नामक एक पतिव्रता स्त्री की है। वीरवती अपने सात भाइयों की इकलौती बहन थीं। विवाह के बाद उसने पहली बार करवाचौथ का व्रत रखा। भूख-प्यास से व्याकुल बहन की हालत देखकर

उसके भाइयों ने छलपूर्वक एक पेड़ के पीछे अग्नि जलाकर उसे चंद्रमा निकलने का आभास कराया। वीरवती ने उसे चंद्रमा समझकर व्रत खोल लिया। कथा के अनुसार, इसके बाद उसे पति के संकटग्रस्त होने का समाचार मिला। वह अत्यंत दुखी हुई और पूरे श्रद्धाभाव से देवी की आराधना करने लगी। अंततः उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने उसके पति को पुनः जीवन प्रदान किया। इस कथा का संदेश है कि श्रद्धा, धैर्य और संकल्प जीवन की कठिन परिस्थितियों में सबल बनते हैं।

धार्मिक और सामाजिक महत्त्व
पौराणिक मान्यताओं में माता पार्वती को अखंड सौभाग्य और आदर्श दांपत्य का प्रतीक माना गया है। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के माध्यम से वैवाहिक सुख, प्रेम और पारिवारिक समृद्धि की कामना की जाती है। चंद्रमा को अर्घ्य देना मन की शांति और शुभता से भी जोड़ा जाता है। वास्तव में करवाचौथ का सबसे सुंदर पक्ष पति-पत्नी के बीच परस्पर विश्वास, सम्मान और समर्पण है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि दांपत्य जीवन केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे की चिंता, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव से मजबूत होता है। समय के साथ बदलती परंपराओं के बीच करवाचौथ आज भी भारतीय संस्कृति में प्रेम और पारिवारिक एकता का उत्सव बना हुआ है।

करवा चौथ 2026 पूजा में रॉयल लुक देगे बटरफलाई कट और डीप वी कट ब्लाउज

वहीं इस ब्लाउज में 3 झुमका लटकन लगाकर इसको सुंदर लुक दे सकती हैं।

डीप यू कट ब्लाउज
अगर आप भी इस करवा चौथ अपने ट्रेडिशनल लुक में ग्लैमरस और मॉर्डन टच जोड़ना चाहती हैं, तो डीप यू-कट ब्लाउज और कमर पर डोरी विथ गोल्डन टस्सेल आपको बेहद प्यारा लुक देगा। यह ब्लाउज करवा चौथ पर आपको रॉयल लुक देने का काम करेगा।



करवा चौथ पर सिंपल साड़ी के साथ नए और स्टाइलिश बैक नेक ब्लाउज कैरी कर महिलाएं अपने लुक को खास बना सकती हैं। इस मौके पर ओवल कट, बो टाई, स्क्वायर बैक, बटरफलाई कट, डीप वी कट और डीप यू कट ब्लाउज बेहतरीन विकल्प हैं। बनारसी और सिल्क साड़ियों के साथ ये डिजाइन आपको परफेक्ट ट्रेडिशनल और रॉयल लुक देंगे।

करवा चौथ के मौके महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। जिसके लिए महिलाएं काफी दिनों पहले से तैयारियां शुरूकर देती हैं। करवा चौथ पर महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए व्रत करती हैं। यही कारण है कि महिलाएं इस पर्व के कई दिन पहले से अपने गहनों, कपड़ों और मेकअप की तैयारियां करने लगती हैं। हर साल 29 अक्टूबर 2026 को करवा चौथ का व्रत किया जा रहा है।

ऐसे में अगर आप करवा चौथ पर सिंपल साड़ी पहन रही हैं, तो उसके साथ ब्लाउज के कुछ नए और स्टाइलिश बैक नेक डिजाइन कैरी कर सकती हैं। इन ब्लाउज को अपने आउटफिट में शामिल करके अपने लुक को खास बना सकती हैं।

ओवल कट ब्लाउज
आप करवा चौथ के मौके पर ओवल कट ब्लाउज डिजाइन कैरी कर सकती हैं। बोल्ड लुक के साथ यह आपको स्टाइलिश लुक देने का काम करेगा। आपको इस साड़ी में काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक मिलेगा। इसमें आप गोल्डन जरी बॉर्डर और क्रिस्टल की 3 लेयर लटकन लगा

सकती हैं।
बो –टाई ब्लाउज
बो टाई ब्लाउज डिजाइन इन दिनों सबसे ज्यादा वायरल है। बैक पर ओवल कट, ऊपर छोटा टस्सेल और कमर पर बड़ा बो टाई का डिजाइन काफी अच्छा लगता है। फेस्टिवल में भी यह ब्लाउज काफी अच्छा लगेगा। सिल्क की साड़ी पर यह ब्लाउज काफी अच्छा लगता है।

स्क्वायर बैक ब्लाउज
स्क्वायर बैक ब्लाउज डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। अगर आपकी बैक भी ब्रॉड है, तो उस पर इस डिजाइन वाला ब्लाउज काफी अच्छा लगता है। इसमें डबल लटकन और लंबी डोरी लगा सकती हैं। इसमें आपको सेलिब्रिटी लुक मिलेगा। आप भी करवा चौथ के मौके पर यह खूबसूरत ब्लाउज के साथ साड़ी पहन सकती हैं।

बटरफलाई कट ब्लाउज
करवा चौथ पर रॉयल लुक पाने के लिए आप बटरफलाई कट ब्लाउज पहन सकती हैं। इसमें ब्लाउज के बीच में छोटा बटन और लंबी मोटी डोरी के साथ सुंदर लटकन लगी होती है। बनारसी या जरी वाली साड़ी के साथ यह ब्लाउज बेहद खूबसूरत लगेगा। यह लुक करवा चौथ की पूजा के लिए एकदम परफेक्ट लगेगा।

डीप वी कट
करवा चौथ पर स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक पाने के लिए डीप वी कट ब्लाउज डिजाइन कराएं। यह ब्लाउज उन महिलाओं के लिए परफेक्ट है, जो पतली हैं। आप इस ब्लाउज को बनारसी साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं।

सक्षिप्त



Make in India से बढ़ा उत्पादन, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा Mobile Phone निर्माता बना भारत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल और कौशल विकास से देश की औद्योगिक क्षमताओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने मोबाइल फोन विनिर्माण में वृद्धि का भी उल्लेख किया। गोवा में युवाओं से बातचीत करते हुए नवीन ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी ने कई औद्योगिक क्षेत्रों में विनिर्माण की वृद्धि को गति दी थी। उन्होंने इस गति को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष दामोदर नाइक भी मौजूद थे। नवीन ने कहा कि भारत को लंबे समय तक मुख्य रूप से जनशक्ति और कच्चे माल के स्रोत के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन कौशल विकास पर जोर देने से देश को अपनी विनिर्माण क्षमताएं विकसित करने तथा वैश्विक स्तर पर अधिक पहचान हासिल करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा, "पहले भारत को जनशक्ति और कच्चे माल के स्रोत के रूप में देखा जाता था। कुशल श्रमिकों की कमी के कारण हमें वह पहचान, सम्मान और स्थान नहीं मिला जिसके हम हकदार थे।" नवीन ने 'मेक इन इंडिया' पहल से आए बदलावों के उदाहरण के रूप में मोबाइल फोन विनिर्माण में वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण करने वाला देश बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण का विस्तार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करना महत्वपूर्ण है कि भारत की औद्योगिक वृद्धि से उसके लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा हों। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौर को याद करते हुए नवीन ने कहा कि कई औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि हुई थी। उन्होंने महामारी के दौरान बिहार जैसे राज्यों के कुशल श्रमिकों को लेकर मुख्यमंत्री सावंत के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया। नवीन ने केंद्रीय बजट में विनिर्माण को समर्थन देने के लिए करीब 20,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आवंटन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य वाहन कलपुर्जों और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को मजबूत करना है। विनिर्माण पर सरकार के जोर से भारतीयों में देश में बने उत्पादों के प्रति गर्व की भावना बढ़ रही है और घरेलू उत्पादन को लेकर उत्साह पैदा हो रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल ने भारत की औद्योगिक क्षमता को लेकर धारणा बदलने में मदद की है और इससे वैश्विक विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की स्थिति और मजबूत हो सकती है। सरकार ने अगस्त में बताया था कि देश में इस्तेमाल किए जा रहे 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन भारत में बने हैं। साथ ही स्मार्टफोन 2025 में भारत की सबसे बड़ी निर्यात उत्पाद श्रेणी बनकर उभरे थे और उन्होंने डीजल ईंधन तथा तराशे हुए हीरों जैसे पारंपरिक निर्यात उत्पादों को पीछे छोड़ दिया था।

मोबाइल PLI योजना से टैक्स के रूप में मिले 3.25 लाख करोड़ रुपये, अश्विनी वैष्णव ने साझा किए आंकड़े

नयी दिल्ली। सरकार ने मोबाइल फोन उद्योग को 19,000 करोड़ रुपये का उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) देने के बदले इस क्षेत्र से कुल 3.25 लाख करोड़ रुपये कर के रूप में जुटाए हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बुधवार को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने इस योजना के तहत 19,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया और इसके बदले लाभार्थियों से 25,000 करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर तथा तीन लाख करोड़ रुपये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में प्राप्त किए। वैष्णव ने कहा, "इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। केवल मोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में 12 लाख लोग काम करते हैं। अब और ज्यादा कोशिश करें।" मंत्री की यह 'पोस्ट' एक मीडिया टिप्पणी वाले वीडियो के जवाब में आई। इस वीडियो में सार्वजनिक धन से सब्सिडी देकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की भारत की कोशिश की खामियों का दावा किया गया था और इसकी तुलना चीन में मौजूद परिवेश से की गई थी। वीडियो के अनुसार, सब्सिडी की मदद से करदाताओं के पैसे से बनाए गए तैयार मोबाइल फोन के निर्यात से भारत को जितना लाभ होता है, उससे अधिक खर्च उसे कलपुर्जों के आयात पर करना पड़ता है। सरकार द्वारा मार्च में साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का निर्यात किया। देश में मोबाइल फोन का आयात 2024-25 में घरेलू मांग का लगभग 0.02 प्रतिशत रह गया, जबकि 10 साल पहले यह 75 प्रतिशत था। इलेक्ट्रॉनिक सामान का उत्पादन 2014-15 के लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये से छह गुना बढ़कर 2024-25 में करीब 11.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि में मोबाइल फोन का उत्पादन लगभग 0.18 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये हो गया। इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्यात भी 10 साल पहले के 0.38 लाख करोड़ रुपये से आठ गुना बढ़कर 2024-25 में करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकार ने अब मोबाइल फोन के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 62,500 करोड़ रुपये के कुल प्रोत्साहन वाली मोबाइल फोन विनिर्माण योजना (एमपीएमएस) शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे भारतीय स्मार्टफोन विकसित करना है, जिनका डिजाइन और विनिर्माण देश में ही किया जाएगा। वैष्णव ने भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अक्टूबर 2028 की समयसीमा तय की है।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी पर बोले फिन एलन, लय में आने पर रोकना नामुमकिन

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज फिन एलन ने माना कि भारत की आक्रामक बल्लेबाजी, खासकर अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी के शानदार प्रदर्शन के कारण, तीसरे टी20 मैच में उनकी टीम के लिए अपने स्कोर का बचाव करना मुश्किल हो गया। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक और सूर्यवंशी ने भारत को एक बेहतरीन शुरुआत दिलाई और पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए टीम को 118 रनों तक पहुंचा दिया। अभिषेक ने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 35 गेंदों में शतक जड़ दिया। मैथ्यू फिशर ने सूर्यवंशी को 45 रनों पर आउट किया, जबकि काइल जैमीसन ने अभिषेक को 113 रनों पर पवेलियन भेजा। भारत ने आखिरकार 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया, और उनके पास 40 गेंदें शेष थीं। एलन ने स्वीकार किया कि न्यूजीलैंड

ने एक अच्छा और प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि यह हार पूरी टीम के लिए निराशाजनक रही। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस हार से सीख लेना और आगे बढ़कर अगले मैच पर ध्यान देना जरूरी है। एलन ने बुधवार को ऑकलैंड में पत्रकारों से कहा कि इस तरह के मैच के बाद, आप बस एक सरसरी नजर डालते हैं, जो कुछ सीख सकते हैं सीखते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। मुझे लगता है कि हमने बल्लेबाजी करते हुए एक अच्छा स्कोर खड़ा किया था, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, परिस्थितियां थोड़ी आसान हो जाती हैं। जब अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी लय में आ जाते हैं, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। बस ऐसा ही हुआ, और अब हमें अगले मैच पर ध्यान देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि एक टीम के तौर पर, जब चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं, तो निराशा



होना स्वाभाविक है। मैं यह नहीं कहूंगा कि बल्लेबाज या गेंदबाज, किसी एक को दूसरों से ज्यादा निराशा हुई है। जब अभिषेक और वैभव जैसे खिलाड़ी फॉर्म में होते हैं, तो किसी भी विरोधी टीम के लिए

उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे इतने बेहतरीन खिलाड़ी क्यों हैं। इस जीत के साथ, भारत ने शुरुआती तीन मैच जीतकर पांच मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली।

फिन एलन ने कहा कि भले ही सीरीज के नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे, लेकिन न्यूजीलैंड को लगा कि वे पहले दो करीबी मैचों में भी जीत सकते थे। उन्होंने अपने देश का प्रतिनिधित्व करने और घरेलू

दर्शकों के सामने खेलने को एक शानदार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि टीम इस सीरीज से अहम सबक लेगी, जो आने वाले कुछ सालों में टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए मददगार साबित होंगे।

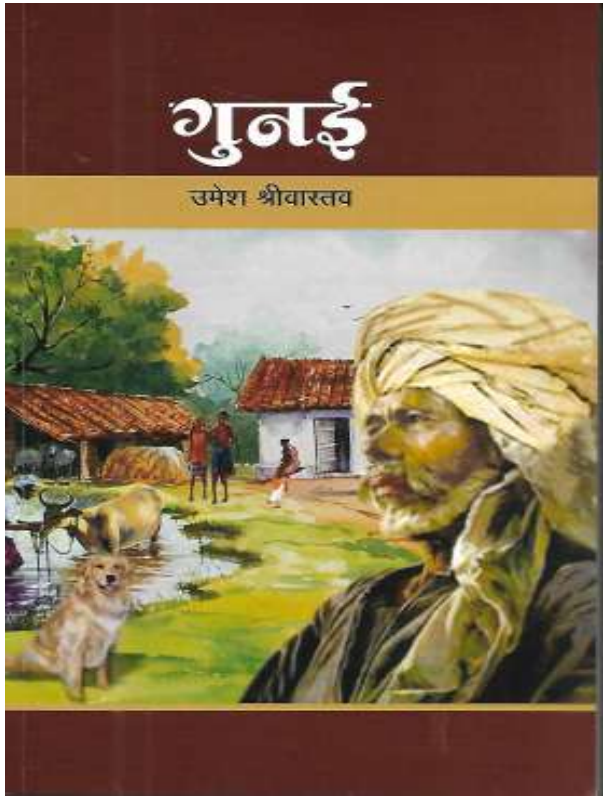
टीम इंडिया में 4 साल बाद वापसी पर बोले भुवनेश्वर कुमार, अब पहले से ज्यादा मुश्किल हुआ टी20

वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद, भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने चार साल बाद टीम में अपनी वापसी और युवा गेंदबाजों के साथ अपना अनुभव साझा करने के बारे में बात की। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार सीरीज जीत हासिल की। छ्अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जबरदस्त पावरप्ले बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है, जबकि अभी भी दो मैच खेले जाने बाकी हैं। वापसी के बाद भुवनेश्वर का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है; उन्होंने अपने हर चार ओवर के स्पेल में 40 से ज्यादा रन दिए हैं और तीन मैचों में केवल एक विकेट ही ले पाए हैं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, भुवनेश्वर ने युवा खिलाड़ियों – अर्शदीप सिंह, मयंक यादव, नीतीश कुमार रेड्डी और प्रिंस यादव – के साथ अपना अनुभव साझा करने के बारे

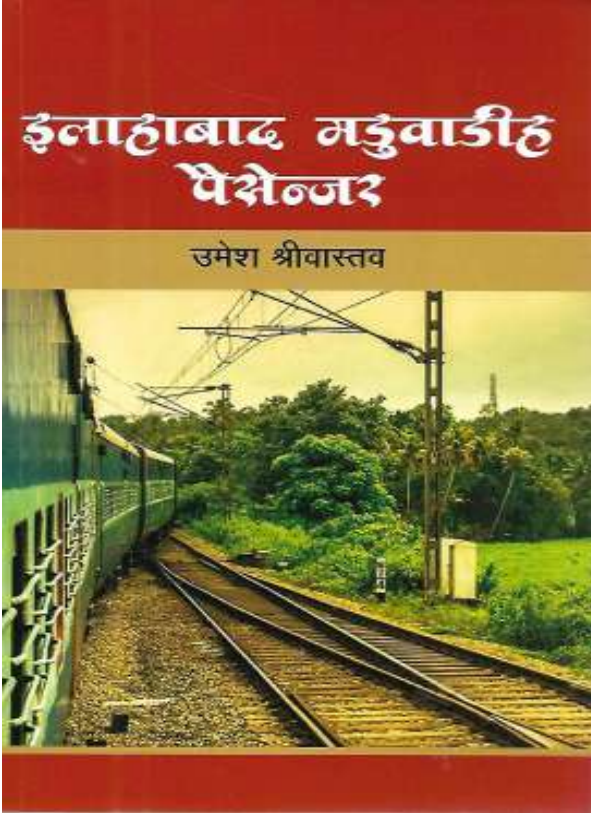
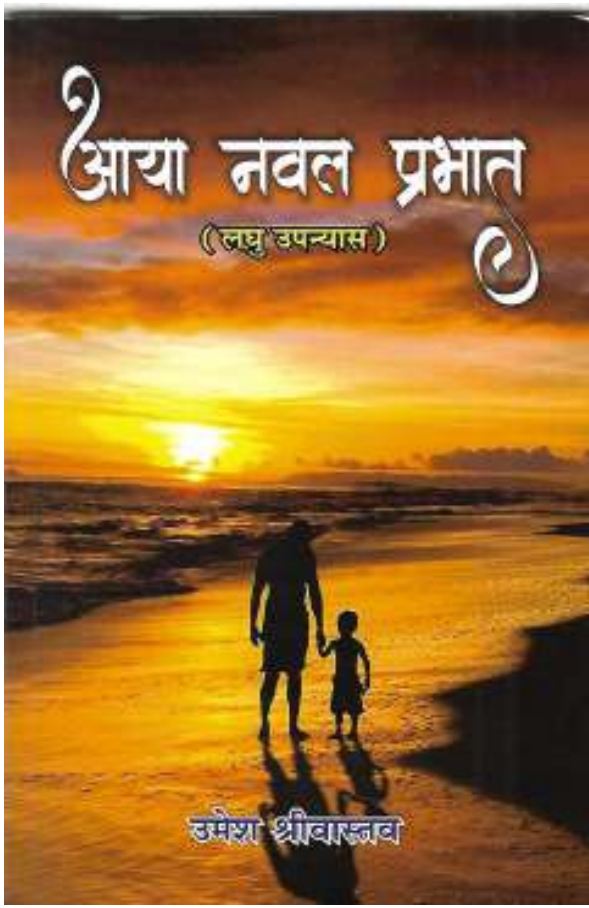
में कहा कि युवा खिलाड़ियों में काफी उत्सुकता है। वे नए हैं, लेकिन उनके पास अनुभव भी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे फ्ल खेलते हैं, जो कि ज़20 क्रिकेट ही है और इसी स्तर का है। हर कोई सीखना चाहता है। हम जिस भी विषय पर बात कर सकते हैं, उस पर बात करते हैं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि ज़20 क्रिकेट अब बहुत मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपना ज़20 डेब्यू किया था, तब ऐसा होता था कि शूटक है, इसे खेलने दो और धीरे-धीरे सभी फॉर्मेट में डेब्यू करने दो। लेकिन अब ऐसा नहीं है, अब यह मुश्किल है। ज़20 में आपको परिपक्वता (उंजनतपजल) की जरूरत होती है। इन सभी गेंदबाजों ने फ्ल में यह दिखाया है और अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं उनके साथ अपना अनुभव साझा कर सकता हूँ, चाहे वह सामान्य बातें हों या न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के बारे में, लेकिन अब तक उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए भुवनेश्वर ने कहा कि मुझे



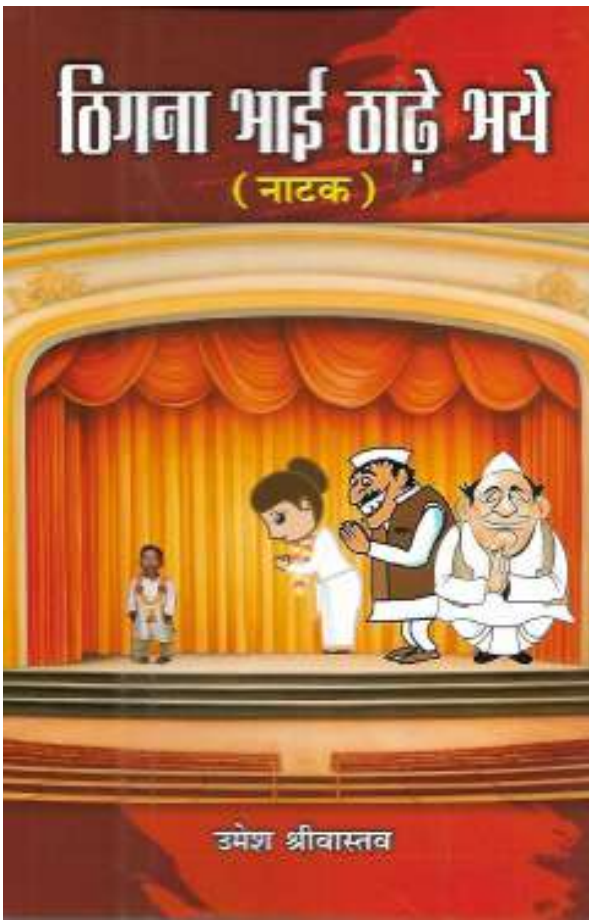
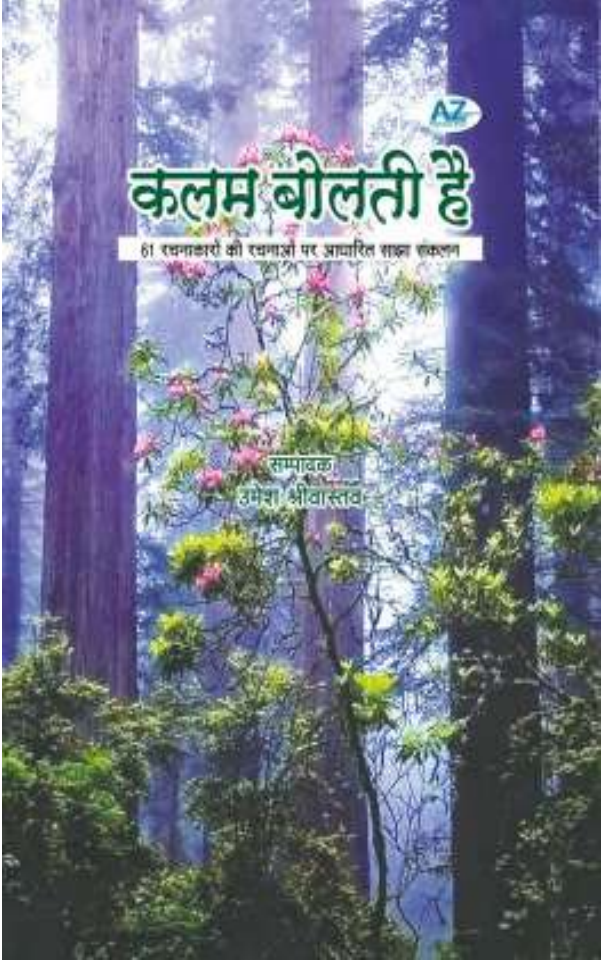
लगता है कि मेरी वापसी... जाहिर है, भारत का प्रतिनिधित्व करना अच्छा लगता है। मैं कई सालों तक टीम से बाहर था। लेकिन अपनी वापसी के बारे में मैं क्या कहूँ? अच्छा लग रहा है, मुझे फिर से भारत के लिए खेलने का मौका मिल रहा है। मैं फिर से अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा हूँ। मैच की बात करें तो, भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टिम सीफर्ट (2) के जल्दी आउट होने के बाद, फिन एलन (25 गेंदों में 40 रन, पाँच चौकों के साथ) और डेरिल मिशेल के बीच दूसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को मैच में वापस ला दिया।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

स्पेन के टोलेडो में दो हाई स्पीड ट्रेनों की टक्कर, 10 लोगों की मौत

स्पेन के टोलेडो के पास दो ट्रेनों की टक्कर में 46 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मृतकों की संख्या और बढ़ने का आशंका है। सुबह करीब 9 बजे (स्थानीय समय), 146 लोगों को ले जा रही एक श्हरियोश (प्लवो) ट्रेन की टक्कर 397 यात्रियों को ले जा रही एक श्रेनफेश (त्मदमि) ट्रेन से हो गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस हादसे में कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई है और 179



लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दृश्यों में टक्कर से हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिनमें ट्रेनों का मलबा पूरे इलाके में बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, रेल ऑपरेटर एडिफ ने बताया कि टक्कर के बाद मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन को बंद कर दिया गया है। एडिफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा दो ट्रेनों के बीच पीछे से हुई टक्कर के बाद मैड्रिड-अंडालूसिया हाई-स्पीड रेल लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ ने टोलेडो में हुए गंभीर ट्रेन हादसे पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि वे परिवहन मंत्री और कैस्टिला-ला मांचा के राष्ट्रपति के लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद कर रही हैं, और उन्होंने पीड़ितों तथा उनके परिवारों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। यह घटना मोरा और ओर्गाज़ कस्बों के बीच हुई। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, टोलेडो शहर के पास स्थित उर्डा के मेयर मैनुअल गैलन ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं ने उनसे घायलों को रखने के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार करने को कहा था। टक्कर का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ घायलों और मृतकों की सही संख्या का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान ने नही की क्षतिग्रस्त परमाणु केंद्रों की मरम्मत, IAEA प्रमुख राफेल ग्रॉसी का दावा

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख ने बताया कि इस बात के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि ईरान ने इस साल या पिछले साल अमेरिका एवं इजराइल के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त हुए अपने परमाणु केंद्रों की मरम्मत करने या उनका पुनर्निर्माण करने की कोई कोशिश की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 28 फरवरी को ईरान के साथ युद्ध शुरू करने का एक प्रमुख कारण उसे परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना था। हालांकि, वह यह भी दावा करते रहे हैं कि इससे पहले जून 2025 में ईरान के परमाणु केंद्रों पर किए गए अमेरिकी हमलों ने देश के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह कर दिया था। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में ईरान से आग्रह किया कि वह निरीक्षकों को सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त हुए केंद्रों समेत अपने सभी परमाणु केंद्रों का निरीक्षण करने की अनुमति दे। पिछले साल अमेरिका के हमलों के बाद से आईएईए ईरान के पास मौजूद उस यूरेनियम भंडार की स्थिति की पुष्टि नहीं कर सकी है जिसे परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक स्तर तक संवर्धित किया गया है। ग्रॉसी ने हालांकि, कहा, “जून 2025 से अब तक हमें ऐसी किसी गतिविधि का पता नहीं चला है जिससे यह संकेत मिले कि ईरान ने 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त हुए किसी भी परमाणु केंद्र की मरम्मत करने या उनका पुनर्निर्माण करने की कोशिश की है।” अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय ‘व्हाइट हाउस’ ने ग्रॉसी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया के लिए मंगलवार शाम किए गए अनुरोध का तत्काल जवाब नहीं दिया। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। हालांकि, आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया गया है।

भारत ने पाक को दिल्ली में SCO बैठक का दिया न्योता, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला आमंत्रण

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभी 10 सदस्य देशों को, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, पहले सम्भ्तागत संवाद मंच के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है। यह मंच 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस मंच का उद्देश्य इस क्षेत्र के देशों के बीच साझा सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक संबंधों और जन-जन संबंधों को उजागर करना है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची भी आमंत्रित लोगों में शामिल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चौफ रिपोर्टर
- संवाददाता
- प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
- क्षेत्रीय रिपोटिंग व समाचार कवरेज हेतु
- स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु
- जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/नवीन दोनों आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की समझ और हिन्दी लेखन क्षमता आवश्यक
- सकलान जुड़ने के इच्छुक, सम्मानित हो पायेंगे

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !

हार का डर या नई चाल ? चुनाव से ठीक पहले ट्रंप का बड़ा ऐलान- सिर्फ ईमानदार नतीजे ही कबूल!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे अगले सप्ताह होने वाले मध्यावधि चुनावों के परिणामों का सम्मान तभी करेंगे जब वे ईमानदार होंगे। इससे यह आशंका फिर से बढ़ गई है कि अगर रिपब्लिकन पार्टी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ता है तो वे परिणामों को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप ने ये टिप्पणियां मंगलवार को वाशिंगटन के पास स्थित जॉइंट बेस एंड्रयूज में टेक्सास में चुनावी दौरे पर जाने से पहले कीं। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब जनमत सर्वेक्षण रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक कठिन मुकाबले का संकेत दे रहे हैं, जो मुद्रास्फीति और बढ़ती ऊर्जा कीमतों को लेकर मतदाताओं की चिंताओं के बीच कांग्रेस में अपना बहुमत खोने के खतरे में है। जब पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या वे परिणाम स्वीकार करेंगे, तो उन्होंने कहा मैं तभी



स्वीकार करूंगा जब चुनाव ईमानदार होंगे। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि अगर उनकी पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट पर नियंत्रण खो देती है तो वे डेमोक्रेट्स के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे, हालांकि उन्होंने कानून को वीटो करने की अपनी शक्ति पर जोर दिया। ट्रंप ने कहा हम कोई न कोई

रास्ता निकाल लेंगे और कहा कि राष्ट्रपतियों ने अतीत में ऐसी ही स्थितियों का सामना किया है और अपने राजनीतिक विरोधियों के साथ समझौते करने में सफल रहे हैं। ट्रंप ने मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर जारी की चेतावनी

ट्रंप बार-बार दावा करते रहे हैं कि अमेरिकी चुनाव व्यापक धोखाधड़ी के शिकार हो सकते हैं। हाल के दिनों में, उन्होंने अपनी चेतावनियों को और भी कड़ा कर दिया है, जिससे डेमोक्रेट्स की आलोचना हो रही है। डेमोक्रेट्स को डर है कि राष्ट्रपति ऐसे दावों का इस्तेमाल प्रतिकूल परिणाम पर सवाल उठाने के लिए कर

इजराइल में लिक्वुड की बढ़त पर बोले बेंजामिन नेतन्याहू, अरब दलों से समझौते का सवाल नहीं

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अरब दलों के समर्थन से सरकार बनाने की संभावना को खारिज कर दिया है। यरुशलम स्थित लिक्वुड मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि यहूदी और जायोनी बहुमत को एकजुट होना चाहिए और अरब दलों के समर्थन से सरकार बनाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने स्पष्ट और निर्णायक बहुमत हासिल कर लिया है। प्रारंभिक रुझानों के अनुसार, नेतन्याहू समर्थक गुट को 55 सीटें मिलीं। सुबह 7:27 बजे तक 53.7 प्रतिशत मतपेटियों की गिनती हो चुकी थी। केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा प्रकाशित आंशिक परिणामों के अनुसार, नेतन्याहू समर्थक गुट को 55 सीटें और नेतन्याहू विरोधी गुट को 50 सीटें मिली हैं। वर्तमान में 3.25 प्रतिशत की सीमा से नीचे रहने वाली पार्टियां हैं: रिजर्विस्ट (2.7 प्रतिशत), पीपुल्स ऑफ इजरायल (1.7 प्रतिशत), चारेदी पब्लिक (0.2 प्रतिशत)। ये परिणाम आंशिक हैं और गिनती जारी रहने पर इनमें बदलाव हो सकता है। सैनिकों सहित दोहरे लिकाफों में डाले गए वोटों की गिनती बाद में की जाएगी।



एग्जिट पोल क्या संकेत दे रहे हैं?

एग्जिट पोल से पहले संकेत मिले थे कि नेतन्याहू की लिक्वुड पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है, जबकि पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गुट को सत्तारूढ़ गठबंधन से अधिक सीटें मिलने का अनुमान है। मंगलवार को तीन प्रमुख प्रसारकों, चैनल 13, चैनल 12 और सार्वजनिक प्रसारक कान द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार, नेतन्याहू के गठबंधन को 120 सदस्यीय संसद (क्नेसेट) में लगभग 50 सीटें मिलेंगी, जो संसदीय बहुमत के लिए आवश्यक 61 सीटों से काफी कम है। विपक्षी गुट को 52–53 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों को 17–18 सीटें मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय चुनाव समिति के अनुसार, मतदान

प्रतिशत 77.7 रहा, जो 2022 के चुनाव से 7.1 प्रतिशत अंक अधिक है और 1999 के बाद से उच्चतम स्तर है। तीनों प्रमुख प्रसारकों ने अनुमान लगाया है कि लिक्वुड इजराइल की सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेगी, हालांकि आइजेनकोट की मध्यमार्गी याशर पार्टी से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। चैनल 13 ने लिक्वुड के लिए 25 और याशर के लिए 23 सीटों का अनुमान लगाया, जबकि चैनल 12 ने लिक्वुड के लिए 24 और याशर के लिए 22 सीटों का अनुमान लगाया। कान के एग्जिट पोल में लिक्वुड को 25 और याशर को 21 सीटें मिलने का अनुमान है। i24NEWS के अनुमान के अनुसार लिक्वुड को 27 और याशर को 20 सीटें मिलेंगी। हालाँकि व्यक्तिगत दलों में लिक्वुड के आगे रहने की उम्मीद है, लेकिन सीटों का व्यापक संतुलन विपक्ष के पक्ष

UNSC में ऑस्ट्रिया के अस्थायी सदस्य बनने पर जयशंकर ने दी बधाई, सहयोग बढ़ाने पर जोर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में योगदान देने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीटे मेनल-शीसिंगर के साथ बैठक की, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई और वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में अपनी टिप्पणी में जयशंकर ने कहा जाहिर है, दुनिया के लिए यह एक जटिल दौर है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत और ऑस्ट्रिया जिनके बीच बहुत ही आत्मीय और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं — वे कई मुद्दों पर चर्चा करें और देखें कि हम मिलकर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में कैसे योगदान दे सकते हैं। अप्रैल में ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए, जयशंकर ने कहा कि इस मुलाकात से उस यात्रा के दौरान बनी सहमति और हुए समझौतों पर हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा अप्रैल में चांसलर की भारत यात्रा हुई थी, जो काफी सार्थक रही। मुझे लगता है कि आज हमारे पास उस समय बनी सहमति और हुए समझौतों पर हुई प्रगति की समीक्षा करने का एक अच्छा अवसर है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनने पर ऑस्ट्रिया को बधाई दी और संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के भीतर दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग

पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं इस मौके पर आपको संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के भीतर हमारे सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। जाहिर है, हम इस सहयोग को आगे भी जारी रखना चाहेंगे। द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसमें और विस्तार की गुंजाइश है।



हमारे आर्थिक सहयोग की बात करें तो यह अच्छा चल रहा है, लेकिन इसमें और भी बेहतर होने की संभावना है। मुझे लगता है कि लोगों के बीच आपसी संबंधों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा जलवायु से जुड़े मुद्दों पर भी हमारा सहयोग गहरा हो रहा है। उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ भारत के बढ़ते संबंधों के व्यापक संदर्भ पर भी जोर दिया और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एज्-1) में प्रगति की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा इसके अलावा, यूरोपीय संघ के साथ हमारे संबंध और गहरे हुए हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में थ्ज्। को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और यह लागू हो जाएगा। जयशंकर ने द्विपक्षीय रणनीतिक और सुरक्षा सहयोग में हुई प्रगति का भी जिक्र किया और कहा हमारी रणनीतिक, सुरक्षा और रक्षा साझेदारी आगे बढ़ रही है। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारे सामने एक अच्छा एजेंडा है। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब ऑस्ट्रिया की यूरोपीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों की संघीय मंत्री, बीटे मीनिल-शीसिंगर, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

सकते हैं। ट्रंप ने दृढ़ सोशल पर एक पोस्ट में मिनेसोटा के बहुचर्चित सीनेट चुनाव का विशेष रूप से जिक्र किया। उन्होंने मतदाताओं से रिपब्लिकन उम्मीदवार मिशेल टैफोया का समर्थन करने का आग्रह किया और मतदान समाप्त होने के बाद मतपत्रों में कथित हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि संघीय सरकार चुनाव पर कड़ी निगरानी रखेगी और दावा किया कि उनके पसंदीदा उम्मीदवार की हार केवल तभी हो सकती है जब चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर किया गया हो। इन टिप्पणियों पर मिनेसोटा की डेमोक्रेट सीनेटर टीना स्मिथ ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति पर आरोप लगाया कि यदि उनके उम्मीदवार चुनाव नहीं जीतते हैं तो वे परिणाम को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

अलास्का सीनेट चुनाव से कानूनी विवाद शुरू

भ्रष्टाचार जांच के बीच देश छोड़ यूएस भागे फ्लेवियो बोल्सोनारो, बोले लूला- कुछ छिपा रहे हैं

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा ने चुनाव में हारे अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लेवियो बोल्सोनारो की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अगर दक्षिणपंथी सीनेटर चुनाव हारने के बाद देश छोड़कर अमेरिका चले गए हैं, तो यह शर्मनाक बात है। ब्रासीलिया में मंगलवार को अपने 81वें जन्मदिन के जश्न के दौरान लूला ने कहा, जो व्यक्ति चुपके से अपना देश छोड़कर भाग जाता है, जाहिर है कि वह कुछ छिपा रहा है। ब्राजील छोड़कर जाना एक शर्मनाक हरकत है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्टों के



अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो, रविवार को लूला के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद फ्लोरिडा जा रहे थे। हालांकि, ब्राजील के अधिकारियों ने उनके जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि फ्लेवियो बोल्सोनारो ने तब देश छोड़ा, जब अदालत ने उनके विदेश जाने पर रोक लगा रखी थी। सीनेटर ने सोमवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। उन्होंने इस कदम को खुद को डराने-धमकाने की कोशिश बताया। पुलिस के एक सूत्र ने।थ्ज् को बताया कि उनके ब्राजीलियाई और राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिए गए हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनके ब्राजील छोड़ने का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। बोलसोनारो, जिनके पास 2023 से इटली की नागरिकता है, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को लेकर भी जांच के दायरे में हैं। माना जा रहा है कि चुनाव में हार के बाद उन्हें मिली संसदीय छूट (इम्युनिटी) भी खत्म हो जाएगी। उनके चुनाव अभियान प्रबंधक, रोजेरियो मारिन्हो ने बताया कि मंगलवार को उन्हें बोलसोनारो का एक संदेश मिला था, लेकिन उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

कैप्टन रिम्त का यूएई में सम्मान

संयुक्त अरब अमीरात ने 30 सितंबर को कॉकपिट में आपातकालीन स्थिति के दौरान बहादुरी दिखाने के लिए भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर और फ्लाईडुबई के चालक दल को सम्मानित किया है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मच्छर कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिससे चालक दल के सदस्यों और यात्रियों को हस्तक्षेप करने और संभावित त्रासदी को टालने में मदद मिली। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने आपातकालीन स्थिति के दौरान यात्रियों की सुरक्षा के लिए उनके साहस, व्यावसायिकता और शायशाली को मान्यता देते हुए घटना में शामिल चालक दल के सदस्यों को प्रथम श्रेणी जायद द्वितीय के ऑर्डर से सम्मानित किया।

अलास्का में भी चुनाव की निष्पत्ता को लेकर चिंताएं उभर आई हैं, जहां अमेरिकी न्याय विभाग ने राज्य के सीनेट चुनाव से संबंधित एक मुकदमा दायर किया है। विभाग का तर्क है कि मतपत्र पर डैन जे. सुलिवन नाम के एक अन्य उम्मीदवार की उपस्थिति मतदाताओं को भ्रमित कर सकती है और रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन के पुनरु चुनाव की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है। अर्टोर्नी जनरल टॉड ब्लैच ने सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में इस कानूनी कार्रवाई का बचाव करते हुए तर्क दिया कि मिलते-जुलते नामों के कारण मतदाता गलती से गलत उम्मीदवार का चयन कर सकते हैं। ब्लैच ने कहा कि चिंता इस बात की है कि अलास्का के लोग भ्रमित हो सकते हैं और उनके वोट उनकी वास्तविक मंशा की प्रतिबिंबित नहीं कर सकते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़
संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

^[1] शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र